बिहार इन्टरमीडिएट शिक्षा परिषद्, पटना

कॉलेज द्वारा दी जानेवाली परीक्षार्थियों की सूची का क्रमांक ________ परीक्षा का वर्ष ________ 1998

रसीद संख्या ________ दिनांक ________ के द्वारा ________ रुपये पाया तिथि ________ रोकड़पाल		कॉलिजिएट नन कॉलेजिएट स्वतंत्र

छात्र/छात्रा

(अनपेक्षित अंश काट दें)

इन्टरमीडिएट कला की परीक्षा

परीक्षा-नियंत्रक के पास निर्धारित तिथि तक यह आवेदन-पत्र अवश्य ही पहुँच जाना चाहिए, अन्यथा परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होने के अधिकारी नहीं होंगे।

सेवा में,

परीक्षा नियंत्रक,
बिहार इन्टरमीडिएट शिक्षा परिषद्, पटना

बैंक ड्राफ्ट अथवा पोस्टल आर्डर से ही शुल्क भेजें।

महोदय,

बिहार इन्टरमीडिएट शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित सन् 198____ की इन्टरमीडिएट कला की परीक्षा में बैठने की अनुमति का प्रार्थी हूं। परीक्षा शुल्क के पचास रुपये अंक पत्र के सात रुपये तथा लोकल लेभी के दस रुपये, कुल सड़सठ रुपये जमा किये/भेजे जा रहे हैं

पूरा पता ________

परीक्षार्थी का हस्ताक्षर
(प्रधानाचार्य अथवा उनके द्वारा मनोनीत)
(किसी अधिकारी के सामने हस्ताक्षर करें)

तिथि ________

जिस नाम से सूचीकृत हुए हैं वहीं नाम लिखें। महिलायें अपने नाम के पहले कुमारी अथवा श्रीमति जो भी हों अवश्य लिखें।

परीक्षार्थी निम्नलिखित विवरण दें

1. सूचीकरण संख्या ________ वर्ष ________
2. नाम (साफ-साफ देवनागरी अक्षरों में) ________
3. Full Name in English (in Block capitals) ________
4. जन्म तिथि ________
5. पिता का नाम और पता ________
   अभिभावक का नाम और पता ________
6. कॉलेज का नाम ________ वर्ग क्रम संख्या ________
   लेक्चर पूरे होने का वर्ष ________
7. परीक्षा के विषय ________ विषयों के नाम

अनिवार्य विषय (क्रम १ में मोटी लकीर के उपर अथवा नीचे जो भी आप पर लागू न हो काट दें)	1. राष्ट्रभाषा हिन्दी (100 अंक) (क) राष्ट्रभाषा अहिन्दी भाषी (50 अंक) (ख) मातृभाषा केवल अहिन्दी भाषियों के लिए 50 अंक) 2. भाषा एवं साहित्य	हिन्दी अपर स्टैंडर्ड। हिन्दी लोवर स्टैंडर्ड।
वैकल्पिक विषय विनियम रेगुलेशन 5 (C) के अनुसार	1. 2. 3.	
अतिरिक्त विषय		

8. प्रश्नों के उत्तर किस भाषा में देंगे ?
9. माध्यभिक/उच्चतर माध्यमिक या परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का विवरण :
   माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक बोर्ड का नाम ________
   नामांक ________ वर्ष ________ वार्षिक/पूरक
10. यदि इन्टरमीडिएट परीक्षा (कला, विज्ञान वाणिज्य) में उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण हुए हों तो उसका विवरण
    केन्द्र ________ नामांक ________ वर्ष ________ वार्षिक/पूरक

केवल स्वतंत्र परीक्षार्थियों के लिये

11. इन्टरमीडिएट परीक्षा में स्वतंत्र रूप से सम्मिलित होने की अनुमति पत्र की संख्या एवं तिथि :
12. इस सत्र में क्या आप किसी कॉलेज के नियमित छात्र/छात्रा रहे/रहीं हैं या नहीं ?

यदि आप किसी अनुसूचित जाति या वर्ग के हों तो अपनी जाति अथवा वर्ग का खास नाम लिखें और दो परीक्षा प्रपत्र भरें	अनुसूचित जाति/जनजाति पिछड़ा वर्ग जाति का खास नाम ________ (अनपेक्षित अंश काट दें)

तिथि ________

प्रेषक अधिकारी का हस्ताक्षर
एवं मुहर

फोटो (Photo)

हर एक परीक्षार्थी को हाल ही में ली हुई अपनी फोटो की पासपोर्ट साईज की दो प्रतियां देनी होगी। उनके ऊपर परीक्षार्थी का नाम लिखा होना चाहिये और उनके प्रेषक अधिकारी द्वारा उनके कार्यालय की मुहर के साथ प्रमाणित होना चाहिए। एक फोटो प्रवेश-पत्र पर और दूसरी इसी चौकोरी स्थान में चिपकाई जानि चाहिए।

(1) यह अनुरोध किया जाता है कि प्रेषक अधिकारी इस बात की सावधानी के साथ देख लें कि परीक्षार्थी ने अपना नाम इस आवेदन-पत्र में ठीक उसी तरह लिखा है जैसे उनके मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र और परिषद् के सूचीकरण प्रमाण-पत्र में अंकित है।

(2) वे कृपया यह भी देख लें कि परीक्षार्थी ने अपनी सूचीकरण संख्या और अनुमति पत्र संख्या (जहां आवश्य हो) ठीक-ठीक लिखा है।

प्रमाण–पत्र (Certificate)

कॉलेज के नियमित (कॉलिजिएट) छात्रों के लिए

मैं प्रमाणित करता हूं कि आवेदक ने मेरे सामने..........................विद्यालय/स्कूल परीक्षा बोर्ड बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र उपस्थित करके मुझे परितुष्ट कर दिया है कि ये ....परीक्षा में की माध्यमिक परीक्षा या परिषद् द्वारा उसको समकक्ष..........................की परीक्षा के लिये निर्धारित उत्तीर्ण हो गये हैं तथा उन्होंने एक या अधिक सम्बद्ध कालेजों में नियमित रूप से अध्ययन कर आई० ए० पाठ्यक्रम को पूरा कर लिया है और जहां प्रायोगिक (प्रेक्टिकल) परीक्षा का विधान है वहां अपने सारे अध्ययन काल में निर्धारित प्रयोगों को भी सुयोग्य निर्देशन में समुचित रुप से सम्पन्न किया है। इनका आचरण अच्छा रहा है। इन्होंने नियमित रूप से अध्ययन किया है तथा ये नियमों / रेगुलेशनों] में निर्दिष्ट कॉलेज की आवधिक [पीरिओडिकल] तथा अन्य परीक्षाओं में सम्मिलित हुए हैं और उनमें उत्तीर्ण हुए हैं तथा इस आवेदन-पत्र में इन्होंने जिन विषयों का उल्लेख किया है उन्हें लेकर इस परीक्षा में सम्मिलित होने के अधिकारी हैं तथा इन्होंने जिन विषयों में व्याख्यानों, अभ्यास तथा प्रयोग कक्षाओं (ट्यूटोरियलों और प्रेक्टिकल क्लासों) की निर्धारित उपस्थिति संख्या पूरी कर ली है तथा इन्होंने इस आवेदन-पत्र पर मेरे सामने अथवा मेरे द्वारा इसके लिए अधिकृत व्यक्ति के सामने हस्ताक्षर किया है तथा मैं इनके नैतिक चरित्र के विरुद्ध कुछ भी नहीं जानता और मुझे विश्वास है कि इन्होंने इस आवेदन-पत्र में जो विवरण दिया है, वे ठीक हैं।

..........................प्रधानाचार्य

..........................कॉलेज (मुहर)

कॉलेज के पूर्ववर्त्ती (नॉन कॉलेजियट) छात्रों के लिये

मैं प्रमाणित करता हूं कि आवेदक ने मेरे सामने..........................स्कूल परीक्षा बोर्ड द्वारा प्रदत्त-प्रमाण-पत्र उपस्थित कर मुझे परितुष्ट कर दिया है कि ये..........................बोर्ड की माध्यमिक परीक्षा या परिषद् द्वारा मान्य इनकी समकक्ष..........................परीक्षा में उत्तीण हो गये हैं तथा नियमों (रेगुलेशनों के अनुसार ये इन्टरमेडिएट ऑफ आर्टस् की परीक्षा में कॉलेज के पूर्ववर्ती (नन-कॉलेजिएट) छात्र के रूप में बैठने के अधिकारी हैं। मैं इनके नैतिक चरित्र के विरुद्ध कुछ नहीं जानता। इन्होंने इस आवेदन-पत्र पर मेरे सामने अथवा मेरे द्वारा इसके लिए नियुक्त व्यक्ति के सामने हस्ताक्षर किया है और मुझे विश्वास है कि इन्होंने इस आवेदन-पत्र में जो विवरण दिये हैं ठीक हैं।

१९८..........................की वार्षिक आई० ए० की परीक्षा में इनका केन्द्र ....नामांक..........................था।

तिथि..........................

..........................प्रधानाचार्य

..........................कॉलेज मुहर

स्वतंत्र (प्राईवेट) परीक्षार्थियों के लिये

मैं प्रमाणित करता हूं कि आवेदक ने मेरे सामने..........................स्कूल परीक्षा बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र उपस्थिति कर मुझे परितुष्ट कर दिया है कि ये..........................बोर्ड की माध्यमिक परीक्षा या परिषद् द्वारा मान्य इसकी समकक्ष..........................परीक्षा में उत्तीर्ण हो गये हैं एवं इन्होंने परिषद् कार्यालय के उन पत्र की मूलप्रती भी मुझे दिखाई है जिसके द्वारा इन्हें १९८..........................आई० ए० की परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति मिली है तथा इन्होंने स्कूल/कॉलेज छोड़ने के प्रमाण पत्र की मूलप्रति अथवा परिषद् द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि दिखाकर मुझे परितुष्ट कर दिया है कि ये उपर्युक्त परीक्षा के सत्र (एकेडेमिक सेसन) नियमित छात्र नहीं रहे हैं एवं इन्होंने स्वतंत्र परीक्षार्थियों के लिए आयोजित टेस्ट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। मैं इनके नैतिक चरित्र के विरुद्ध कुछ नहीं जानता। इन्होंने इस आवेदन-पत्र पर मेरे सामने अथवा मेरे द्वारा इसके लिये अधिकृत व्यक्ति के सामने हस्ताक्षर किया है और मेरा विश्वास है कि इसका आचरण अच्छा रहा है और इन्होंने अध्यवसाय पूर्वक और नियमित रुप से अध्ययन किया है तथा इस आवेदन पत्र में जो विवरण दिये है वे ठीक हैं।

परिषद् के अनुमति पत्र की तिथि एवं संख्या..........................

..........................प्राधानाचार्य

तिथि..........................

..........................कॉलेज मुहर

बिहार इन्टरमीडिएट शिक्षा परिषद्, पटना

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

परीक्षा का वर्ष _____ आई० ए०

फोटो (Photo)

प्रवेश-पत्र

नीचे का विवरण परीक्षार्थी स्वयं भरें :—

1. पंजीकरण संख्या _____ वर्ष _____
2. हिन्दी अक्षरों में नाम _____

   रोमन (छापे के) अक्षरों में नाम _____
3. जन्म तिथि _____
4. पिता का नाम _____
5. परीक्षा के विषय :— (1) अनिवार्य विषय

   1 _____

   2 _____

   (2) वैकल्पिक विषय

   1. _____

   2. _____

   3. _____

Date.....198 Signature

(3) अतिरिक्त विषय

प्रधानाचार्य अथवा उनके द्वारा मनोनीत किसी व्यक्ति के सामने ही हस्ताक्षर होना चाहिए।

परीक्षार्थी का पूरा हस्ताक्षर

तिथि _____

(नीचे के विवरण परिषद् में भरे जाएँगे)

इस परीक्षार्थी का केन्द्र _____ नामांक _____ हैं। इन्हें तिथि _____ से _____ आयोजित _____ कॉलेज केन्द्र से आई० ए० की परीक्षा में सम्मिलित होने दें।

परीक्षा विभाग का सहायक

प्रशासी पदाधिकारी परीक्षा विभाग

परीक्षा नियंत्रक

1. कार्यालय में परीक्षाफल प्रकाशित होते ही परीक्षार्थी को उसके परीक्षाफल की सूचना तार या डाक द्वारा भेजी जा सकती है, यदि इसके लिए पहले से ही निर्धारित शुल्क जमा कर दिया जाय।

2. इस प्रवेश पत्र के खो जाने पर अथवा नष्ट हो जाने पर इसकी प्रतिलिपि (Duplicate) प्राप्त करने के लिए प्रधानाचार्य के द्वारा 5/– रु० शुल्क के साथ परीक्षा नियंत्रक के पास आवेदन-पत्र भेजना चाहिए।

3. परीक्षाफल प्रकाशन के साधारणतः दस दिनों के भीतर ही अंक-पत्र कॉलेज में भेज दिये जाते हैं, परीक्षार्थी उन्हें अपने-अपने महाविद्यालय से ले, लें क्योंकि परिषद् के कार्यालय से परीक्षाफल प्रकाशन की तिथि के बाद एक महीने तक अंक पत्र नहीं दिया जायगा। इस अवधि के बाद परिषद् से निर्धारित शुल्क देकर अंक-पत्र लिया जा सकता है।

4. विषयानुसार अंक-पत्र का शुल्क पाँच रुपये हैं और पत्रानुसार अंक-पत्र का शुल्क सात रुपये हैं।

5. परीक्षा में उतीर्ण होने का प्रमाण-पत्र तैयार होते ही कॉलेज में भेज दिया जाता है। इस बीच में आवश्यकता पड़ने पर परीक्षार्थी एक अस्थायी प्रमाण-पत्र (Provisional Certificate) ले सकते हैं। इसके लिए आवेदन-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा अग्रसारित कराकर 10/– (दस रुपये) निर्धारित शुल्क के साथ परिषद् कार्यालय में जमा करें।

परीक्षार्थियों के लिए नियम

परीक्षाएं निश्चित तिथियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी —

2. परीक्षा-कक्षों के द्वार परीक्षा के पहले दिन प्रथम-पत्र की परीक्षा आरम्भ होने के लगभग आधा घंटा पहले खोले जायेंगे। उसके बाद कक्षों के द्वार प्रत्येक पत्र की परीक्षा आरम्भ होने के १५ मिनट पहले खोले जायेंगे। परीक्षा आरम्भ होने के पाँच मिनट पहले परीक्षार्थी निश्चित रूप से कक्ष में आकर अपना निर्धारित स्थान ग्रहण कर लेंगे। परीक्षा आरम्भ होने के निर्धारित समय से अधिकतर आधे घंटे तक विलम्ब से आने वाले परीक्षार्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती हैं। आधे घंटे से अधिक विलम्ब से आने पर ऐसी अनुमति नहीं दी जायगी।

3. परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे के अन्दर न तो परीक्षार्थी को कक्ष के से बाहर जाने और न उत्तर पुस्तिका कक्ष के वीक्षक को लौटाने की अनुमति दी जायगी।

4. परीक्षा के समाप्त हो जाते ही अथवा लिखना समाप्त करने पर परीक्षार्थी को अपनी उत्तर-पुस्तिका कक्ष के प्रधान वीक्षक को दे देनी होगी। किसी भी दशा में उत्तर-पुस्तिका डेस्ट पर न छोड़ी जाय और न परीक्षा भवन से बाहर ले जायी जाय।

5. जो उत्तर-पुस्तिका वीक्षक को एक बार समर्पित की जा चुकी हो, वह किसी भी हालत में परीक्षार्थी को लौटायी नहीं जायगी।

6. प्रत्येक, परीक्षार्थी के लिए एक निर्दिष्ठ सीट का प्रबंध रहेगा, जिसपर उनके प्रवेश पत्र में अंकित संख्या लिखी रहेगी। परीक्षार्थी अपने निर्दिष्ठ स्थानों पर बैठेंगे। केन्द्र व्यवस्थापक की अनुमति के बिना सीट बदलना मना है।

7. जो परीक्षार्थी परीक्षा में अवैध साधन अपनाते हुए या दूसरे की सहायता करते या किसी प्रकार की अवैध सहायता लेने की चेष्टा करते हुए अथवा परोक्षा में अनुचित लाभ के लिए कोई दूसरा अवैध उपाय करते पायें जायेंगे, उन्हें परीक्षा से निस्कासित कर दिया जायगा तथा आगे होने वाले पत्रों/विषयों की परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित कर दिया जायगा। परीक्षा में परीक्षार्थियों को परस्पर किसी प्रकार से विचार विनियम का अधिकार न होगा। जबतक कि वे परीक्षा कक्ष में रहें उन्हें अपने पास छाता, पुस्तक, किसी प्रकार का स्मृति-पत्र पाकेट बुक आदि या कोई अतिरिक्त कागज-पत्र रखना वर्जित है। इसका उलंघन करने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायगी।

8. जब कोई परीक्षर्थी परीक्षा से निस्कासित किया जायगा तो उनके लिए अनिवार्य होगा कि वह उत्तर-पुस्तिका, प्रश्न-पत्र और वैसी सभी सामग्रियां को जो अवैध साधन अपनाये जाने से सबधित हैं केन्द्र वीक्षक को समर्पित कर दें।

9. उत्तर लिखना आरम्भ करने के पहले प्रत्येक परीक्षार्थी के किए अपनी उत्तर-पुस्तिका के अग्वरण पृष्ठ पर अपना केन्द्र और नामांक सूचीकरण संख्या लिखना अनिवार्य है। परन्तु परीक्षार्थी को अपना अथवा अपने कालेज का नाम कदापि नहीं लिखना चाहिए। परीक्षार्थी की चेतावनी दी जाती है कि जिस उत्तर-पुस्तिका पर केन्द्र, नामांक और सूचीकरण संख्या स्पष्ट रुप से न लिखी होगी उसे जाँचा नहीं जायेगा।

10. जो परीक्षार्थी अपनी उत्तर-पुस्तिका की पहचान को असम्भव या दुःसाध्य बनाने की चेष्टा करेगा उसकी सम्बन्धित उत्तर-पुस्तिका की जाँच नहीं जायगी।

11. यदि कोई परीक्षार्थी अपनी पुस्तिका में कोई आपत्तिजनक या अनुचित बात लिखने का अपराधी पाया जायगा तो उसकी सूचना केन्द्राधीक्षक द्वारा परीक्षा-नियंत्रक को उचित कार्रवाई के लिये भेज दी जायगी।

12. उत्तर पुस्तिका के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र, प्रवेश-पत्र या किसी अन्य कागज पर उत्तर या कोई दूसरी बात लिखना वर्जित है।

13. परीक्षा-कक्ष से प्रश्न-पत्र और अपने प्रवेश-पत्र के सिवा अन्य कागज-पत्र बाहर ले जाना परीक्षार्थियों के लिए वर्जित है।

14. परीक्षा-कक्ष के प्रधान वीक्षक के आदेश पर परीक्षार्थीयों के लिये उपस्थित-पत्र पर अपना हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा।

15. परीक्षार्थीयों को चाहिए कि वे उत्तर-पुस्तिका के दोनों पृष्ठों पर लिखें, यदि वे चाहें तो आरम्भ या अन्त में एक दो पृष्ठ रफ वर्क के लिये प्रयोग कर सकते हैं। किन्तु उत्तर-पुस्तिका को सौंपने के पहले उन पृष्ठों की लिखावट को काट दें।

16. प्रधान वीक्षक की अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपनी सीट नहीं छोड़ेगा।

17. अनिवार्य आवश्यकता आ पड़ने पर परीक्षार्थी कक्ष वीकक्ष की अनुमति से थोड़ी देर के लिए बाहर जा सकता है, किन्तु जब वह बाहर है, उसकी निगरानी के लिए कक्ष वीक्षक द्वारा एक विश्वस्त व्यक्ति तैनात रहेगा। साथ ही उनकी आकस्मिक अनुपस्थिति के लिए बाहर जाने और बाहर से लौटने का समय वीक्षकों द्वारा एक अलग कागज पर अंकित किया जायगा जिसे वे केन्द्राधीक्षक को समर्पित करेंगे।

18. ऐसे परीक्षार्थी कोजो किसी ऐसी बीमारी से ग्रसित हों जिसके कारण उसकी उपस्थिति में अन्य परीक्षार्थी के लिये हानि हो सकती है परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं करने दिया जायगा तथा यदि वहाँ पाया जायगा तो उसे वहाँ से हटा दिया जायगा परन्तु केन्द्र व्यवस्थापक एक अलग कमरे में उनकी परीक्षा लेने का प्रबंध कर सकते हैं।

वर्मा यूनियन प्रेस, राँची। १९८८